

घुटुरन अंगना फिरत कन्हैया

घुटुरन अंगना फिरत कन्हैया,
मधुरी बोल कछु सीखत मोहन,
कहन लागे अब मैया मैया,
घुटुरन अंगना फिरत-----

नन्द मेहर सों बाबा बाबा,
बलदाऊ सों भैया भैया,
घुटुरन अंगना फिरत-----

अधर बीच दंतुल मन मोहत,
नन्द यशोदा लेत बलैया,
घुटुरन अंगना फिरत-----

ग्वालबाल सजि धजि संग गोपिन,
धूम मचावत देत बधैया,
घुटुरन अंगना फिरत-----

रचना आधार: ज्योति नारायण पाठक
वाराणसी

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17480/title/ghuturan-angana-phirat-kanhiya>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |